



Vishal



Anjali

Model: Love-Horoscope

Order No: 121890001

Model: Love-Horoscope

Order No: 121890001

Date: 10/04/2026

पुल्लिंग : \_\_\_\_\_ लिंग \_\_\_\_\_ : स्त्रीलिंग  
4-05/10/1999 : \_\_\_\_\_ जन्म तिथि \_\_\_\_\_ : 21/05/2001  
सोम-मंगलवार : \_\_\_\_\_ दिन \_\_\_\_\_ : सोमवार  
घंटे 03:12:00 : \_\_\_\_\_ जन्म समय \_\_\_\_\_ : 21:33:00 घंटे  
घटी 52:16:32 : \_\_\_\_\_ जन्म समय(घटी) \_\_\_\_\_ : 40:16:52 घटी  
India : \_\_\_\_\_ देश \_\_\_\_\_ : India  
Kurukshetra : \_\_\_\_\_ स्थान \_\_\_\_\_ : Ambala  
29:59:00 उत्तर : \_\_\_\_\_ अक्षांश \_\_\_\_\_ : 30:19:00 उत्तर  
76:51:00 पूर्व : \_\_\_\_\_ रेखांश \_\_\_\_\_ : 76:49:00 पूर्व  
82:30:00 पूर्व : \_\_\_\_\_ मध्य रेखांश \_\_\_\_\_ : 82:30:00 पूर्व  
घंटे -00:22:36 : \_\_\_\_\_ स्थानिक संस्कार \_\_\_\_\_ : -00:22:44 घंटे  
घंटे 00:00:00 : \_\_\_\_\_ ग्रीष्म संस्कार \_\_\_\_\_ : 00:00:00 घंटे  
06:17:23 : \_\_\_\_\_ सूर्योदय \_\_\_\_\_ : 05:25:42  
18:04:00 : \_\_\_\_\_ सूर्यास्त \_\_\_\_\_ : 19:13:18  
23:50:59 : \_\_\_\_\_ चित्रपक्षीय अयनांश \_\_\_\_\_ : 23:52:17  
सिंह : \_\_\_\_\_ लग्न \_\_\_\_\_ : धनु  
सूर्य : \_\_\_\_\_ लग्न लग्नाधिपति \_\_\_\_\_ : गुरु  
कर्क : \_\_\_\_\_ राशि \_\_\_\_\_ : मेष  
चन्द्र : \_\_\_\_\_ राशि-स्वामी \_\_\_\_\_ : मंगल  
आश्लेषा : \_\_\_\_\_ नक्षत्र \_\_\_\_\_ : भरणी  
बुध : \_\_\_\_\_ नक्षत्र स्वामी \_\_\_\_\_ : शुक्र  
2 : \_\_\_\_\_ चरण \_\_\_\_\_ : 2  
सिद्ध : \_\_\_\_\_ योग \_\_\_\_\_ : शोभन  
बव : \_\_\_\_\_ करण \_\_\_\_\_ : विष्टि  
इ-इंगरमल : \_\_\_\_\_ जन्म नामाक्षर \_\_\_\_\_ : लू-लूसी  
तुला : \_\_\_\_\_ सूर्य राशि(पाश्चात्य) \_\_\_\_\_ : मिथुन  
विप्र : \_\_\_\_\_ वर्ण \_\_\_\_\_ : क्षत्रिय  
जलचर : \_\_\_\_\_ वश्य \_\_\_\_\_ : चतुष्पाद  
मार्जार : \_\_\_\_\_ योनि \_\_\_\_\_ : गज  
राक्षस : \_\_\_\_\_ गण \_\_\_\_\_ : मनुष्य  
अन्त्य : \_\_\_\_\_ नाडी \_\_\_\_\_ : मध्य  
श्वान : \_\_\_\_\_ वर्ग \_\_\_\_\_ : मृग

**Maa shradha Jyotish Kander**

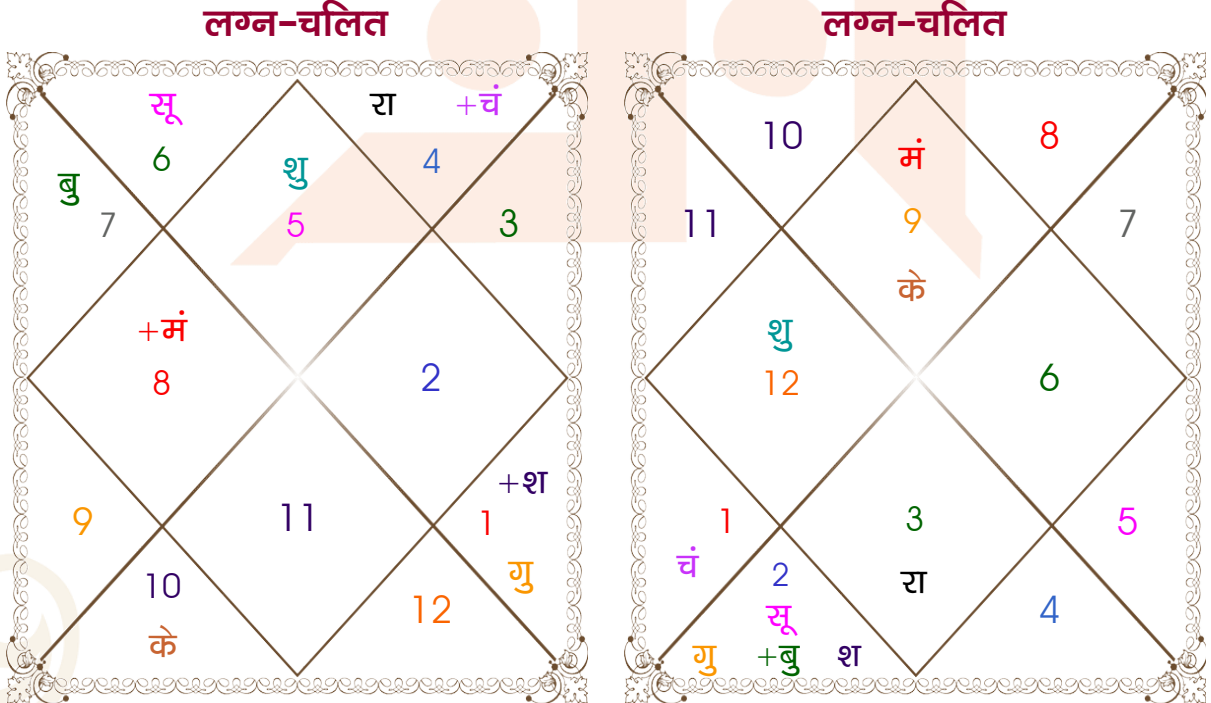
Pt. Rahul Sharma  
Mandkheri Chhachhrauli (Yamunanagar)  
9050059649, 9996076834  
rs96531@gmail.com

## ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
बुध 9वर्ष 10मा 13दि	06:15:03	सिंह	लग्न	धनु	08:11:45	शुक्र 12वर्ष 2मा 8दि
शुक्र	17:21:52	कन्या	सूर्य	वृष	06:46:58	चन्द्र
17/08/2016	22:15:33	कर्क	चंद्र	मेष	18:32:25	30/07/2019
17/08/2036	27:30:10	वृश्चि	मंगलव	धनु	04:32:46	30/07/2029
शुक्र 18/12/2019	05:41:29	तुला	बुध	वृष	29:07:03	चन्द्र 30/05/2020
सूर्य 17/12/2020	08:31:34	मेष व	गुरु	वृष	24:10:15	मंगल 29/12/2020
चन्द्र 18/08/2022	04:09:29	सिंह	शुक्र	मीन	22:19:29	राहु 29/06/2022
मंगल 18/10/2023	22:14:13	मेष व	शनि	वृष	09:59:23	गुरु 29/10/2023
राहु 18/10/2026	17:27:40	कर्क व	राहु व	मिथु	12:55:24	शनि 30/05/2025
गुरु 18/06/2029	17:27:40	मक व	केतु व	धनु	12:55:24	बुध 29/10/2026
शनि 17/08/2032	19:09:07	मक व	हर्ष	कुंभ	00:56:25	केतु 30/05/2027
बुध 18/06/2035	07:45:40	मक व	नेप व	मक	14:52:30	शुक्र 28/01/2029
केतु 17/08/2036	14:28:55	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	20:25:07	सूर्य 30/07/2029

व - वकी स - स्थिर  
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त  
राहु : स्पष्ट

23:50:59 चित्रपक्षीय अयनांश 23:52:17



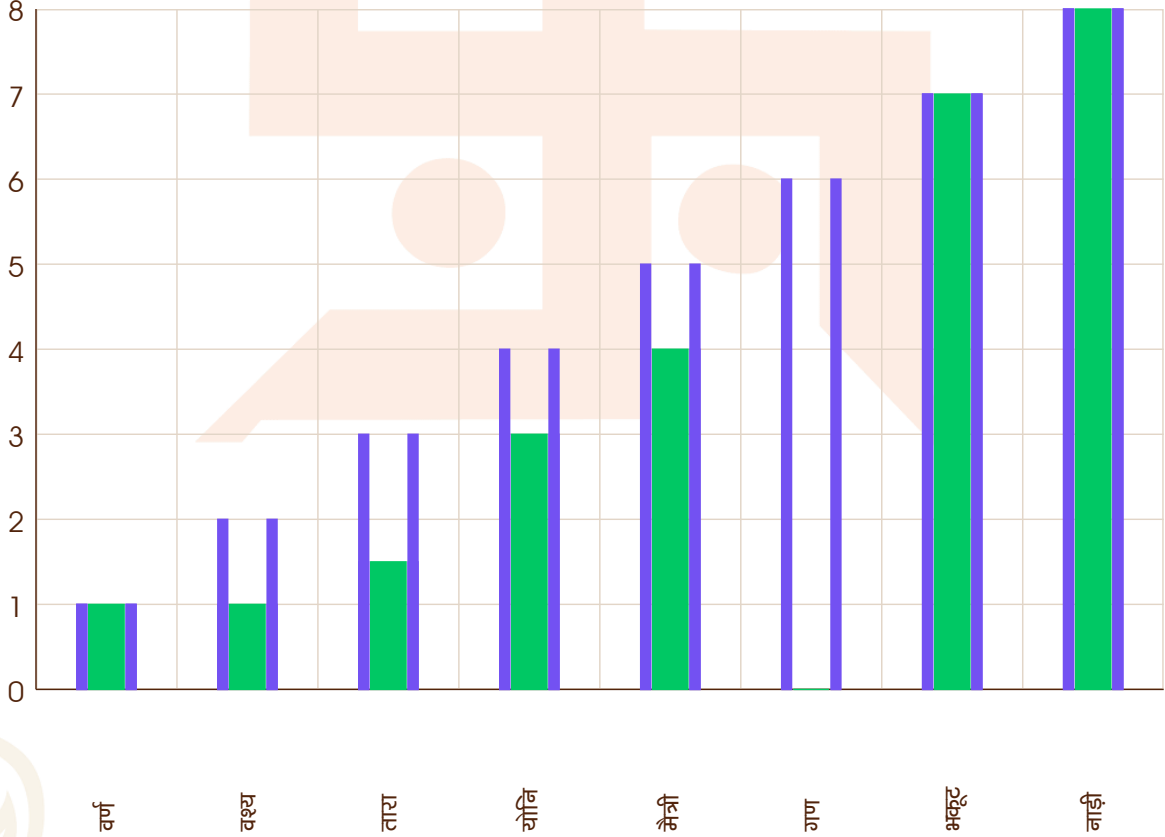
**Maa shradha Jyotish Kander**

Pt. Rahul Sharma  
Manakheri Chhachhrauli (Yamunanagar)  
9050059649, 9996076834  
rs96531@gmail.com

## अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मार्जार	गज	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	मंगल	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	कर्क	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
<b>कुल :</b>			<b>36</b>	<b>25.50</b>		

कुल : 25.5 / 36



**Maa shradha Jyotish Kander**

Pt. Rahul Sharma  
Mandkheri Chhachhrauli (Yamunanagar)  
9050059649, 9996076834  
rs96531@gmail.com

## अष्टकूट मिलान

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

टर्पीस का वर्ग श्वान है तथा दरंसप का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार टर्पीस और दरंसप का मिलान अत्युत्तम है।

### मंगलीक दोष मिलान

टर्पीस मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

**अजे लगने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते ।  
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते ॥**

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है। क्योंकि मंगल टर्पीस कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम् ।  
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा ॥**

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

ढप्य;डडग्ंवूदकमइ;0द्धत्र।द्धइ क्योंकि मंगल टर्पीस कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

दरंसप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।  
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ॥**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि दरंसप कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

टर्पीस तथा दरंसप में मंगलीक मिलान ठीक है।

### निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।

**Maa shradha Jyotish Kander**

Pt.Rahul Sharma  
Mandkheri Chhachhrauli (Yamunanagar)  
9050059649,9996076834  
rs96531@gmail.com

## अष्टकूट फलादेश

### वर्ण

टर्पीस का वर्ण ब्राह्मण तथा इदरंसप का वर्ण क्षत्रिय है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। जिसके प्रभाव से इदरंसप में अपने पति के प्रति अगाध प्रेम, श्रद्धा एवं सम्मान की भावना रहेगी। कभी-कभी क्षत्रिय खून की गर्मी भी समय-समय पर उबाल मारने के कारण समय-समय पर इदरंसप आक्रामक व्यवहार कर सकती हैं हालांकि उनका व्यवहार कभी भी अनियंत्रित नहीं होगा। इदरंसप सदैव अपने उत्तरदायित्व का निर्वहन भली-भांति करती रहेंगी तथा वे सदैव प्रशंसा की पात्र रहेंगी।

### वश्य

टर्पीस का वश्य जलचर है एवं इदरंसप का वश्य चतुष्पद है। अतः यह मिलान औसत मिलान ही है। जलचर एवं चतुष्पद सामान्यतः एक-दूसरे के लिए सम हैं। दोनों के बीच न ही प्रेम की भावना होगी और न ही शत्रुता तथा दोनों का प्रकृति में स्वतंत्र अस्तित्व रहेगा। कुंडली मिलान में दोनों के दृष्टिकोण, सोच एवं व्यवहार में पूर्णतः भिन्नता रहते हुए भी विवाह को स्वीकृति प्रदान की गयी है क्योंकि दोनों एक-दूसरे को किसी प्रकार का नुकसान नहीं पहुंचायेंगे तथा अपने-अपने तरीके से अपने कर्तव्यों एवं दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे।

### तारा

टर्पीस की तारा मित्र तथा इदरंसप की तारा विपत है। इदरंसप की तारा विपत होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। यह मिलान टर्पीस एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्य एवं नुकसान का कारण बन सकता है। परन्तु कड़े एवं लगातार प्रयासों के बाद परिणाम सुखदायी हो सकता है। संभव है कि इदरंसप का रुख सहयोगात्मक नहीं हो तथा आपसी विश्वास, प्रेम एवं समझ की कमी बनी रहे। अक्सर पति एवं पत्नी के बीच संघर्ष एवं लड़ाई-झगड़े रह सकते हैं तथा बच्चे भी इसका गलत फायदा उठावेंगे। जिसके कारण संभव है कि बच्चे योग्य एवं आज्ञाकारी नहीं हों।

### योनि

टर्पीस की योनि मार्जार है तथा इदरंसप की योनि गज है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं है। परन्तु इन दोनों योनि के बीच मित्रता का संबंध है अतः यह मिलान उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच परस्पर प्रेम का भाव रहेगा। वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। दोनों एक दूसरे को सहयोग करेंगे। आपसी समझ एवं विश्वास की भावना रहेगी। जिससे अपने पारिवारिक व वैवाहिक जीवन में सभी कार्य आपसी सहमति से करेंगे एवं उनमें सफलता भी प्राप्त करेंगे। जीवन में अक्सर धन प्राप्ति के सुअवसर मिलते रहेंगे। आय के नये-नये स्रोत बनेंगे तथा अच्छी आय के साथ-साथ अच्छी जमापूजी होगी तथा परिवार में सुख समृद्धि बढ़ेगी। परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना के कारण दोनों एकदूसरे के प्रति अपनापन महसूस करेंगे। परिवार में शांति का वातावरण बना रहेगा। साथ ही सभी

मनोकामनाओं की पूर्ति होती रहेगी। वर और कन्या का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। इन दोनों से उत्पन्न संतानें योग्य होंगी तथा वे भी अपने जीवन में सफलता प्राप्त करेंगे। इनके जीवन में सफलता इनके कदम चूमेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन सुखमय जीवन ही रहेगा।

### मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में टर्पीस का राशि स्वामी। दरंसप के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि। दरंसप का राशिस्वामी टर्पीस के राशिस्वामी के साथ मित्रता का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी के राशि स्वामी दूसरे साथी के लिए सम हों किंतु दूसरे साथी के राशि स्वामी अपने साथी के राशि स्वामी को अपना मित्र मानते हों तो इसे भी उत्तम मिलान माना जाता है। ऐसी स्थिति में वैवाहिक सुख, शांति, खुशहाली, प्रेम एवं समृद्धि से युक्त जीवन होता है। अतः दम्पति के बीच पारस्परिक समझ, विश्वास एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। दोनों अपने घरेलू अथवा सामाजिक दायित्वों का निर्वहन साथ मिलकर करते रहेंगे तथा सभी की प्रशंसा का पात्र बनेंगे।

### गण

टर्पीस का गण राक्षस है तथा। दरंसप का गण मनुष्य है। अर्थात्। दरंसप का गण टर्पीस के गण से श्रेष्ठ है। अतः यह मिलान बहुत बुरा मिलान रहेगा। ज्योतिषीय दृष्टि से यह संबंध अधिक दिनों तक नहीं रहने वाला होगा। दोनों के वैचारिक मतभेद परिवार के सदस्यों के जीवन को अशांत बना सकते हैं। ऐसा विवाह त्याज्य है।

### भकूट

टर्पीस से। दरंसप की राशि दशम भाव में स्थित है तथा। दरंसप से टर्पीस की राशि चतुर्थ भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण टर्पीस एक पारिवारिक व्यक्ति होंगे तथा अपनी पत्नी एवं बच्चों समेत परिवार के हर सदस्य की देखभाल करेंगे। उन्हें अपने संबंधियों से ही खुशी प्राप्त होगी तथा उनकी पत्नी सदैव कर्तव्यों के निर्वहन में उनकी मदद करती रहेंगी।। दरंसप को घर, वाहन, मां का प्यार समेत जीवन में हर सुख एवं खुशी प्राप्त होगी।। दरंसप हमेशा अपने पति की परछाई बनकर सदैव उनकी सहायता करती रहेंगी।

### नाड़ी

टर्पीस की नाड़ी अन्त्य है तथा। दरंसप की नाड़ी मध्य है। अर्थात् दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात् यह मिलान अति उत्तम मिलान है। अन्त्य एवं मध्य नाड़ी दो महत्वपूर्ण जीवनी शक्तियों पित्त एवं कफ की कारक हैं। जिसके कारण दम्पति का परस्पर प्रेम, अनुकूलता, अच्छा भविष्य, सहयोग की भावना बनी रहेगी। आपकी संतान शक्तिशाली, बुद्धिमान, आज्ञाकारी एवं भाग्यशाली होंगी।

**Maa shradha Jyotish Kander**

Pt. Rahul Sharma  
Manakheri Chhachhrauli (Yamunanagar)  
9050059649, 9996076834  
rs96531@gmail.com

# मेलापक फलित

## स्वभाव

टर्पीस की जन्मराशि कर्क तथा दरंसप की राशि मेष है। कर्क राशि जलतत्व तथा मेषराशि अग्नि तत्व हैं। नैसर्गिक रूप से अग्नि एवं जलतत्व में परस्पर असमानता एवं शत्रुता का भाव रहता है अतः इसके प्रभाव से टर्पीस और दरंसप के मध्य स्वभावगत विषमताएँ रहेंगी जिससे दाम्पत्य सम्बंधों में मधुरता न्यून ही रहेगी। अतः यह मिलान विशेष उत्तम नहीं रहेगा।

टर्पीस का राशिस्वामी चन्द्र तथा दरंसप का राशिस्वामी मंगल परस्पर मित्र तथा समभाव में पड़ते हैं। अतः सामंजस्य की अवस्था में यह ग्रहस्थिति शुभ रहेगी इसके प्रभाव से टर्पीस और दरंसप परस्पर एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा करेंगे तथा दोषों के प्रति उपेक्षा का भाव रखेंगे। इससे दोनों के मध्य विवादों में न्यूनता आएगी तथा दाम्पत्य जीवन के सुख शान्ति में वृद्धि होगी।

टर्पीस और दरंसप की राशियाँ परस्पर चतुर्थ तथा दशम भाव में पड़ती हैं यह एक शुभ भूकूट है। इसके शुभ प्रभाव से आप दोनों के जीवन में मधुरता का भाव रहेगा तथा टर्पीस और दरंसप परिश्रमपूर्वक सुख साधनों को अर्जित करके सुखपूर्वक उनका उपभोग करेंगे। साथ ही टर्पीस अपने स्वाभाविक गुणों से दरंसप को प्रसन्न करने में सफल रहेंगे फलतः आपस में प्रेम लगाव एवं आकर्षण का भाव रहेगा।

टर्पीस का वश्य जलचर तथा दरंसप का वश्य चतुष्पद है। नैसर्गिक रूप से जलचर तथा चतुष्पद में समानता का भाव रहता है। अतः इसके प्रभाव से टर्पीस एवं दरंसप की अभिरुचियाँ समान होंगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताओं में समता रहेगी। साथ ही कामभावनाओं की पूर्णता भी रहेगी तथा एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में भी समर्थ रहेंगे।

टर्पीस का वर्ण ब्राह्मण तथा दरंसप का वर्ण क्षत्रिय है। टर्पीस की प्रवृत्ति शैक्षणिक तथा धार्मिक कार्यों में अधिक रहेगी तथा दरंसप साहसिक एवं पराक्रमी कार्यों में रुझान रखेगी। अतः कार्य क्षेत्र में टर्पीस और दरंसप प्रगति एवं समृद्धि प्राप्त करेंगे।

## धन

टर्पीस और दरंसप दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भूकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

### स्वास्थ्य

टर्पीस अन्त्य तथा दरंसप का जन्म मध्य नाड़ी में हुआ है। अतः नाड़ी दोष का इन पर कोई प्रभाव नहीं रहेगा तथा जीवन में गभीर खतरों से ये सुरक्षित रहेंगे। लेकिन मंगल का टर्पीस और दरंसप दोनों के स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव रहेगा जिससे दोनों धातु या गुप्त संबंधी रोगों से परेशानी की अनुभूति कर सकते हैं। साथ ही टर्पीस की संभोग शक्ति में शिथिलता एवं हृदय संबंधी रोग भी उत्पन्न हो सकता है। उन्हें मूत्र संबंधी कष्ट की भी उन्हें प्राप्ति होगी जिससे दाम्पत्य जीवन में अनावश्यक कलह तथा अशांति होगी। अतः इसके प्रभाव को कम करने के लिए टर्पीस और दरंसप को हनुमानजी की उपासना करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास भी रखने चाहिए।

### संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से टर्पीस और दरंसप का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त टर्पीस और दरंसप के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में दरंसप के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन दरंसप को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में दरंसप को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुंदर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से टर्पीस और दरंसप सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार टर्पीस और दरंसप का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

### ससुराल-सुश्री

दरंसप के अपनी सास से संबंधों में अनुकूलता तथा मधुरता रहेगी तथा उनकी तरफ से दरंसप किसी भी अनावश्यक समस्या या असुविधा का सामना नहीं करना पड़ेगा। दरंसप के हृदय में उनके प्रति सेवा भाव रहेगा तथा अपनी सेवा के द्वारा उन्हें प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने के लिए प्रयत्नशील रहेंगी। यद्यपि यदा कदा इनके मध्य मतभेद या विवाद भी होंगे

**Maa shradha Jyotish Kander**

Pt. Rahul Sharma  
Mandkheri Chhachhrauli (Yamunanagar)  
9050059649, 9996076834  
rs96531@gmail.com

लेकिन यह अल्प समय के लिए होगा तथा सामान्यतया संबंधों में मधुरता बनी रहेगी।

उनके ससुर से दरसप को विशेष स्नेह सम्मान तथा अनुकूलता प्राप्त नहीं होगी तथा के द्वारा दरसप को समय समय पर समस्याओं तथा व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा लेकिन देवर एवं ननदों से दरसप के अत्यंत ही स्नेह एवं सौहार्द पूर्ण संबंध रहेंगे तथा उनसे इन्हें पूर्ण सम्मान तथा सहयोग मिलेगा। साथ ही परस्पर संबंधों में मित्रता का भाव रहेगा तथा आपसी समस्याओं तथा सुख दुख में एक दूसरे को अपना सहयोग प्रदान करते रहेंगे। इस प्रकार दरसप के सास ससुर का दृष्टिकोण सामान्यतया अनुकूल नहीं रहेगा।

### ससुराल-श्री

टर्पीस के अपनी सास से संबंधों में मधुरता रहेगी तथा सास को वह अपनी माता के समान पूर्ण आदर एवं सम्मान प्रदान करेंगे। वह उन्हें अपने पुत्र के समान समझेंगी तथा उसी प्रकार अपनत्व तथा वात्सल्य प्रदान करेंगी। साथ ही समय समय पर वे सपत्नीक सास से मिलने के लिए ससुराल जाते रहेंगे।

लेकिन ससुर के साथ में टर्पीस के संबंध अच्छे नहीं रहेंगे। इनकी आयु में अधिक अंतर के कारण वैचारिक तथा सैद्धांतिक मतभेद समय समय पर उत्पन्न होते रहेंगे। लेकिन यदि दोनों सामंजस्य की प्रवृत्ति से कार्य लें तो मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा मधुर संबंधों में वृद्धि होगी। साथ ही साले एवं सालियों से भी संबंधों में तनाव रहेगा तथा मानसिक स्तर पर विभिन्नता रहेगी जिससे एक दूसरे को वांछित सहयोग स्नेह एवं सहानुभूति अल्प ही प्रदान करेंगे। अतः इनको परस्पर सामंजस्य के भाव की स्थापना करनी चाहिए। इस प्रकार ससुराल पक्ष का दृष्टिकोण टर्पीस के प्रति सामान्य ही रहेगा।

**Maa shradha Jyotish Kander**

Pt. Rahul Sharma  
Manakheri Chhachhrauli (Yamunanagar)  
9050059649, 9996076834  
rs96531@gmail.com

## लग्न फल

### Vishal

आपका जन्म मघा नक्षत्र के द्वितीय चरण में सिंह लग्न में हुआ था। लग्नोदय के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर वृष राशि का नवमांश एवं सिंह राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इनके प्रभाव से यह स्पष्ट सूचना मिलती है कि आप पूर्ण रूपेण सुन्दर एवं आरामदायक उत्तम जीवन व्यतीत करेंगे। जीवन क्रम में कोई गम्भीर चिन्तनीय समस्याएं उत्पन्न नहीं होगी।

आप सिंह राशीय समन्वय की परिधि में आपका समय कोलाहलपूर्ण रहेगा। आप अन्तरात्मा से साहसिक प्रवृत्ति के प्राणी हैं। आपको अपनी गतिशीलता से अप्रसन्नता प्राप्ति होती है। यदि आप निर्भयता पूर्वक सच्ची लग्न से व्यवसायिक कार्य प्रारम्भ करें तो आपको उत्तम एवं सन्तोषजनक फल प्राप्त होंगे। परन्तु आपके प्रभावशाली कार्य कलाप के सम्पादन पर आपके लाभ का अधिकांश भाग किसी भी परिस्थिति में व्यय करेंगे। आप चाहते हैं कि आपके परिवार के लोगों का पहनावा वस्त्रादि उत्तम रहें तथा आप इन वस्तुओं पर अच्छा धन व्यय करें। जिससे आपके घरेलू रहन सहन प्रभावशाली दिखाई दे। आप अपने मित्र मण्डली के आमोद-प्रमोद एवं मिलन समारोह पर भी खूब व्यय करेंगे। आप सर्वथा धार्मिक आयोजनों पर तथा दान धर्म के कार्यों में अत्यन्त धन प्रदान करेंगे। परिणाम स्वरूप आप वृद्धावस्था में यह अनुभव करेंगे कि पूर्व में किया गया धन व्यय के कारण इस समय धन का बड़ा अभाव हुआ है। अतः इस प्रकार से अति मात्रा में धन व्यय पर नियंत्रण करें। अतः उत्तम तो यह है कि आप अपने धन की थैली का मुंह इस प्रकार नहीं खोले। मुख्यतः आपके जीवन का भाग्यशाली समय आपके 25 वर्ष की आयु से प्रारम्भ होगा।

आपको आत्म विश्वास है कि मैं धनी तथा सर्व विद्या से परिपूर्ण हूँ। आप का व्यवहार बहुत अन्धाधुंध अर्थात् दुःसाहसपूर्ण है। आप अन्य विकल्प के पूर्व अपने कार्य व्यवसाय के सम्बंध में शीघ्र निर्णय ले। अतः आपको व्यवसायिक विषयों पर अपने मित्रों तथा शुभ चिन्तकों द्वारा अच्छी परामर्श ग्रहण करने की शिक्षा प्राप्त करनी चाहिए। वास्तव में आपको अपने निर्णय पर किसी भी प्रकार का गम्भीरतापूर्वक सामंजस्य न करे। यदि आप अपनी मद्यपान करने की मनोवृत्ति में बदलाव नहीं ला सके तो आपके जीवन में उच्चस्तरीय अभ्युदय युक्त विशेषतः अर्थहीन हो जाएगा।

यदि आप अपना पारिवारिक जीवन उत्तम प्रकार से व्यतीत करने के अभिलाषी हैं, तो आपको अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति को नियंत्रित करने की अभ्यास करनी चाहिए। यदि आप अकस्मात् अपने पारिवारिक सदस्यों पर कोप प्रदर्शन कर अनुपयुक्त मतान्तरिक व्यवहार करते रहे तो आपका प्रसन्नतम पारिवारिक जीवन अस्त-व्यस्त हो सकता है। वास्तव में आप घरेलू जीवन का आनन्द प्राप्त कर सकते हैं। यथा आपकी पत्नी तथा आपकी प्यारी सन्तानें आपको हार्दिक स्नेह प्रदान कर सकते हैं बशर्ते कि आप भी उसके बदले में समान आदान प्रदान करते रहें। आपकी विपरीत योनि के प्रति जो प्रसिद्धि है, एक गम्भीर एवं चिन्तनीय है। जिस विषय पर आपको सतर्क रहना चाहिए। आपकी यह प्रवृत्ति आपकी पत्नी को सशंकित करता है। आपको

**Maa shradha Jyotish Kander**

Pt. Rahul Sharma  
Mandkheri Chhachhrauli (Yamunanagar)  
9050059649, 9996076834  
rs96531@gmail.com

अपने जीवन संगिनी की आशंकों का विस्तारपूर्वक स्पष्टीकरण करना चाहिए। क्योंकि आप विपरीत योनि के सदस्यों द्वारा प्रसिद्ध एवं प्रभावशाली हैं। इसका यह अर्थ नहीं कि आप अपने जीवन संगिनी के प्रति विश्वघात करेंगे।

आपके जन्म प्रभाव से यह स्पष्ट है कि आप मुख्यतः एवं बृहत्कार कार्य कलाप करने की मनोवृत्ति से युक्त हैं। आप अपने अधिनस्थ छोटे-छोटे कार्यों को कार्यान्वित नहीं करना चाहते हैं। आप स्थायी रूप से निगम (कारपोरेशन), कम्पनी तथा भूमि भवन-सम्बंधी कार्य बिन्दु को व्यवहृत करने के प्रति उपयुक्त हैं।

आप निश्चित रूप से सामान्यतया पूर्ण स्वस्थ रहेंगे। परन्तु आपको वृद्धावस्था के प्रति सावधानी बरतनी होगी क्योंकि ऐसा अवसर आ सकता है कि आपके रीढ़ की हड्डियों की परेशानी तथा हृदय सम्बंधी रोग से ग्रसित हो जाएं। आपको शराब पीने की आदत एवं अतिरिक्त भोजन करने की आदतों को त्यागना वृद्धावस्था के लिए सहायक एवं अनुकूल होगा।

आपके लिए रंग लाल, हरा एवं नारंगी रंग के वस्त्रों का उपयोग अनुकूल है। रंग काला एवं सफेद रंगों का परित्याग करना श्रेयष्कर है। आपके अनुकूल अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक हैं। आपके लिए अंक 2, 7 एवं 8 अंक त्याज्य हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परन्तु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

## Anjali

आपका जन्म मूल नक्षत्र के तृतीय चरण में धनु लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ मिथुन नवांश एवं धनु राशीय द्रेष्काणा भी उदित था। ज्योतिषीय आकृति के अनुसार आपके जीवन की परियोजना से ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप धन-धान्य से पूर्ण, स्वस्थ एवं प्रसन्नतम जीवन यापन करने वाली प्राणी हैं। निःसंदेह आप एक भाग्यशाली होकर उत्पन्न हुई हैं।

आप हर परिस्थिति में अपने पक्ष एवं अपनी भलाई की आकांक्षा रखती हैं। आपका व्यक्तित्व आकर्षक एवं प्रतिभा संपन्न है। आप एक संवादपटु, दिलचस्प, उच्चस्तरीय, विवेकी प्राणी हैं। आप निर्भिक प्रभावशाली एवं जनसामान्य की दृष्टि में सच्ची महिला हैं। यदि कोई अन्य व्यक्ति आपको गलत दिशा निर्देश कर आपको मुश्किल में डालना चाहता है, तो आप भ्रमित नहीं होती क्योंकि आप एक प्रसन्नतम परिवारिक जीवन से युक्त हो।

एक अच्छी व्यक्ति इससे अधिक और क्या अभिलाषा कर सकती है। आप स्वास्थ्य की दृष्टि से पूर्ण स्वस्थ रहेंगी। आपको व्यक्तिगत रूप से यह निर्देश है कि कुछ वर्षों के पश्चात जैसे वायु रोग गठिया, अल्सर, कफ, जुकाम, सर्दी तथा रक्तचाप जैसे रोगों से पूर्ण सतर्क रहे। यदि आप पूर्व में इन रोगों के प्रति यदि सतर्कता नहीं बरती तो आपको दुःखी होकर रहना

पड़ेगा।

आप अपनी अच्छी उन्नति हेतु धर्म एवं दर्शन के प्रति दिलचस्पी लेकर संबंधित अच्छी भावनाओं से युक्त होकर गहन अध्ययन कर सकती हैं। क्योंकि जीवन एक दर्शन है तथा आप धार्मिक दान-प्रदान हेतु कुछ धन का सदुपयोग कर सकती हैं।

आप अपनी अवस्था के 27 वें वर्ष में अथवा 31 वें वर्ष में अकस्मात् महान धनी हो सकती हैं। अन्यथा उपरोक्त दोनों समय में से कोई दो वर्ष आपके लिए अत्यधिक लाभजनक समय रहेगा। इस समय आप संगठनात्मक सेमिनार एवं सामूहिक वाद-विवाद का अच्छा संगठनात्मक आयोजन करने की क्षमता प्राप्त करेंगी। आप स्वभावगत अतिरिक्त योग्यता के अनुसार अपने भाषण के प्रभाव से लोगों को प्रभावित कर बुद्धिमानी में प्रवीणता प्राप्त कर लेंगी। यदि आप इस कार्य में अच्छी प्रकार उभर कर आएं तो आपको यह आशा रहेगी कि आप आगे भी अपने कार्य में निश्चित सफलता प्राप्त कर सकती हैं। क्योंकि इससे मात्र आपका अस्तित्व ही नहीं बढ़ेगा बल्कि आपके विषय से संबंधित क्षेत्र भी विस्तृत होगा।

यद्यपि आप एक समझदार पत्नी एवं अच्छी संतान प्राप्त कर सर्व प्रकार से परिवारिक जीवन को मधुरतम एवं आनंददायक अनुभव करेंगी। क्योंकि आप छोटी-छोटी बातों को सोचकर क्रोधित हो जाती हो तथा शीघ्रता पूर्वक आपकी उत्तेजना का अंत हो जाता है। परिणामस्वरूप आप स्वतः अपनी गुस्ताखी का अहसास करती हो। आप इस प्रकार के वाह्य आक्रोश पर नियंत्रण रखें।

आपके लिये व्यवसायों में अनुकूल पेशा, वकालत, लेखक, वक्ता, राजनीति अथवा धार्मिक प्रचारक का कार्य उत्तम प्रमाणित होता है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।

आपके लिए अंकों में महत्वपूर्ण अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक प्रभावशाली हैं। शेष अंक 2, 7 एवं 9 अंक त्याजनीय हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीम रंग, नारंगी, नीला, हरा एवं सूआपंखी रंग शुभता प्रदायक है। परंतु रंग लाल, मोतिया एवं काला रंग प्रतिकूल हैं।

## अंक ज्योतिष फल

### Vishal

आपका जन्म दिनांक पाँच होने से अंक ज्योतिष के आधार पर आपका मूलांक पाँच होता है। इसका स्वामी बुध ग्रह है। मूलांक पाँच के प्रभाववश आप रोजगार के क्षेत्र में नौकरी की अपेक्षा व्यापार के मार्ग की ओर अधिक आकृष्ट रहेंगे। यदि आप नौकरी का मार्ग चुनते हैं तो ऐसा रोजगार आपको अधिक पसन्द आयेगा। जहाँ लेन-देन, लेखा, यांत्रिकी, वाणिज्य, इत्यादि का कार्य होता हो। कम्पनी, फैक्ट्री, उच्च व्यापार जगत आपको रास आयेगा।

बुधग्रह के प्रभाववश आपके अन्दर वाक्पटुता, तर्कशक्ति अच्छी रहेगी एवं सामने वाले व्यक्ति को आप अपनी बातों से प्रभावित करने में समर्थ रहेंगे। आप हर कार्य को जल्दी समाप्त करना पसन्द करेंगे एवं ऐसे रोजगार की ओर उन्मुख होंगे जिसमें शीघ्र सफलता कम मेहनत तथा अधिक लाभ पर प्राप्त होती रहे। आप थोड़े जल्दबाज एवं फुर्तीले भी रहेंगे। जल्दबाजी के चक्कर में आप कभी-कभी हानियों का भी सामना करेंगे।

आपकी मानसिक स्थिति चंचल होने से आपको शीघ्र क्रोध आ जाया करेगा एवं कभी-कभी चिड़चिड़ाहट भी रहा करेगी। आप अधिकांशतः बुद्धि जनित कार्यों में रुचि लेंगे। इस कारण आपकी दिमागी ताकत अधिक खर्च होने से अधिक आयु में आपको स्नायुवेग द्वारा उत्पन्न रोगों का भी सामना करना पड़ेगा।

मूलांक पाँच का स्वामी बुध ग्रह होने से कमोवेश बुध के गुण-अवगुण आपके अन्दर आयेंगे। विद्याध्यन लेखन-पठन की ओर आपकी विशेष रुचि रहेगी।

### Anjali

आपका जन्म दिनांक 21 हैं। दो एवं एक के योग से आपका मूलांक 3 होता है। मूलांक तीन का अधिपति गुरु ग्रह है। अंक दो का चन्द्र तथा एक का सूर्य है। अतः आपके जीवन में गुरु, चन्द्र तथा सूर्य ग्रह का शुभ-अशुभ प्रभाव रहेगा। मूलांक स्वामी गुरु के प्रभाव से आप एक विदुषी महिला कहलायेंगी। विद्या के क्षेत्र में आपकी उन्नति होगी। धर्म-कर्म के कार्यों में रुचि रखेंगी। अधिक आयु पर आप आध्यात्म के क्षेत्र में चली जायेंगी। आप एक अनुशासन प्रिय महिला होंगी एवं अपने अधीनस्थों से अपेक्षा रखेंगी कि वह भी अनुशासन में रहें। आप काम में शिथिलता या देरी पसन्द नहीं करेंगी। इससे आपके मातहत आपके विरोधी होंगे।

सूर्य के प्रभाव से आप एक दृढ़ प्रतिज्ञा महिला होंगी। स्वभाव में हठीपन भी रहेगा एवं आप अपने कार्यक्षेत्र में सूर्य के समान ही चमकेंगी। लेकिन चन्द्र प्रभाव से कभी कभी अंधेरे का सामना करना पड़ेगा। इससे आपके मन में निराशा के भाव आयेंगे। आपका जीवन सन्तुलित रहेगा एवं ऐसे कार्यों में आपका मन लगेगा जहाँ कार्य ईमानदारी से होता हो। आप स्वयं अपनी मेहनत तथा सच्चाई पर भरोसा करेंगी और इसी के सहारे सफलताएं अर्जित

**Maa shradha Jyotish Kander**

Pt. Rahul Sharma  
Mandkheri Chhachhrauli (Yamunanagar)  
9050059649, 9996076834  
rs96531@gmail.com

करेंगी।

आपकी ऐसे कार्यों में रुचि रहेगी जहाँ बुद्धिजन्य कार्य होता हो। लेखन, पठन-पाठन, भाषण, ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्रों में कार्य करने पर आपको अच्छी सफलताएं प्राप्त होंगी। सूर्य, चन्द्र, गुरु के संयुक्त प्रभाव से आप अपने जीवन में उच्चता को अवश्य प्राप्त करेंगी एवं आपकी अन्तिम अवस्था काफी खुशमय रहेगी।

## Vishal

भाग्यांक सात का स्वामी भारतीय मत से केतु तथा पाश्चात्य मत से नेपच्यून ग्रह को माना गया है। यह कल्पना शक्ति, विचार शक्ति, अच्छी देता है। भाग्योदय रुकावटों के साथ करता है। आर्थिक क्षेत्र में प्रायः कमी करता है। धन संग्रह बड़ी-कठिनाई से होता है। अन्यथा ज्यादातर धन की कमी बनी रहती है। कला एवं दर्शन के क्षेत्र में आपका रुझान रहेगा। इन क्षेत्रों को आप कर्म-क्षेत्र बना सकते हैं। इनमें आपकी उन्नति निहित होगी।

आपको ऐसा रोजगार पसन्द आयेगा जिसमें यात्रा के अवसर मिलते रहें। दूर-दूर की यात्रा करना, सैर सपाटा आपके लिए रुचि पूर्ण रहेगा। कई एक यात्राओं से आप व्यावसायिक उन्नति प्राप्त करेंगे। दूर के व्यक्तियों से आपके अच्छे संबंध बनेंगे जो रोजगार व्यापार में आपको लाभ प्रदान करेंगे। प्राचीन रीति-रिवाजों पर आपकी आस्था कम रहेगी तथा परिवर्तन करते रहना आपको सुहायेगा। आपका कार्यक्षेत्र यदा-कदा परिवर्तित होता रहेगा।

## Anjali

भाग्यांक दो का स्वामी चन्द्र ग्रह को माना गया है। इसके प्रभाव से आपकी कल्पनाशक्ति उन्नत किशम की होगी। बौद्धिक स्तर आपका उच्च कोटि का रहेगा एवं बुद्धि जन्य कार्यों में आपकी विशेष अभिरुचि रहेगी। शारीरिक श्रम साध्य कार्यों में आपकी दिलचस्पी कम रहेगी। चन्द्रमा जिस तरह घटता-बढ़ता रहता है, उसी प्रकार आपके भाग्य का सितारा भी कभी तो एकदम ऊँचाईयों को प्राप्त करेगा और कभी आप एकदम घोर अंधकार में अपने आप को पायेंगी। ऐसे समय में धैर्य रखना आपके लिए अनिवार्य हो जाता है, क्योंकि आपके भाग्य का सितारा भी पुनः पूर्णिमा की तरह प्रकाशित होगा। धैर्य न रखना आपकी कमजोरियों में रहेगा।

भाग्य आपका बदलता रहेगा। एक स्थिर मुकाम पर कभी भी नहीं पहुँचेगा। आपको सम्पूर्ण जीवन में भाग्योदय की कुछ कमी खटकती रहेगी। आपको अधिकारियों से लाभ रहेगा तथा धन-धान्य से आप सुखी रहेंगी। आपको अपनी चलायमान प्रकृति पर नियंत्रण रखना होगा अन्यथा एक के बाद एक कार्यों को बीच में छोड़कर आगे बढ़ने की प्रवृत्तिवश आपके कार्य देर से सफल होंगे और कभी असफल भी होंगे।

**Maa shradha Jyotish Kander**

Pt. Rahul Sharma  
Manakheri Chhachhrauli (Yamunanagar)  
9050059649, 9996076834  
rs96531@gmail.com